

Title: Regarding urgent need to take relief measures for the flood affected people of Bihar.

**श्री रघुनाथ झा :** अध्यक्ष जी, मैं कल अनुपस्थित था। माननीय वित्त मंत्री जी ने इस सदन में सुखाड़ से प्रभावित लोगों को 50 हजार रुपये तक ऋण माफी की घोषणा की, लेकिन पूरे उत्तर के लोग बाढ़ से बुरी तरह से प्रभावित हैं। गोपालगंज, पूर्वी चम्पारण, पश्चिमी चम्पारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, खगड़िया, दरभंगा आदि पूरे उत्तरी बिहार के लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। वहां सुखाड़ से बदतर स्थिति है, वहां उससे कोई आदमी बचा हुआ नहीं है। (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please take your seats. There is no 'Zero Hour' today.

**श्री कीर्ति झा आज़ाद (दरभंगा) :** जो बाढ़ की स्थिति इस समय बनी पड़ी है, हालांकि उत्तरी बिहार में इस बार उतनी वार्ड नहीं हुई है, उसके बावजूद जो ऐसी स्थिति बनी पड़ी है, लाखों लोग उससे प्रभावित हैं। हमने इस बारे में नोटिस दिया था। (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Yes, I know that the issue is important. Shri Kirti Azad, tomorrow you will be permitted to speak. Today there is no 'Zero Hour'.

**श्री सईदुज्जमा (मुजफ्फरनगर) :** उत्तर प्रदेश में भी यही हाल है, वहां सूखे की स्थिति है। इसके कारण किसानों की सिंचाई नहीं हो रही है, उससे किसान बुरी तरह प्रभावित हैं। (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** आप लोग यदि जीरो ऑवर की चर्चा चाहते हैं तो पूरा हाउस चलने दो, फिर चाहे जितना जीरो ऑवर हो सकता है। आप सोचेंगे कि हम जीरो ऑवर के समय गड़बड़ी करेंगे और बाद में भी जीरो ऑवर चलाएंगे। If the Members want to do the business, the business should go on continuously. If the business goes on continuously, a number of issues can be raised. Let us decide today that at least tomorrow we shall take up the Zero Hour very seriously.

Shri Deve Gowda was not here when his name was called, but since he has come now, I would like to permit him to go ahead with his Calling Attention Notice.

...(Interruptions)

**अध्यक्ष महोदय :** मैं सभी मेम्बरों को बोल रहा हूँ, सिर्फ आपको नहीं बोल रहा हूँ।

...(व्यवधान)

**श्री रघुनाथ झा :** अध्यक्ष महोदय, जब सरकार डिस्क्रिमिनेशन करेगी तो इस सदन में नहीं कहेंगे तो किससे कहेंगे। आप हमारे कस्टोडियन हैं, हम लोगों के गार्जियन हैं। सूखा और बाढ़ग्रस्त लोगों को राहत मिले, यह प्रसन्नता की बात है, लेकिन जो लोग बाढ़ से प्रभावित हैं, मर रहे हैं, उनको अगर सरकार सुविधा नहीं देगी तो हम किससे जाकर कहेंगे, कहां कहेंगे?

MR. SPEAKER: I know, but you are aware that, unfortunately, today the work could not be carried out and, therefore, you lost the opportunity. But tomorrow I shall definitely give you a chance to speak.

...(Interruptions)

**श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) :** अध्यक्ष महोदय, माननीय रघुनाथ झा जी ने जो सवाल उठाया है, बहुत ही गम्भीर सवाल है। बाढ़ की जो स्थिति है, वह इतनी भयावह है कि लाखों लोगों का जान-माल खेतों में पड़े हुए हैं। पूरे उत्तरी बिहार के करोड़ों लोग ऊंचे टीले पर, बांधों पर हैं। वहां पीने का पानी नहीं है, पीने के पानी का संकट है, वहां खाद्यान्न नहीं है, राहत नहीं है, मैं यह कहना चाहता हूँ। (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** देवेगौड़ा जी, आप खड़े रहिये और बोलिये। मैं कल आप लोगों को यह विषय उठाने की इजाजत देने वाला हूँ। मैं अभी इजाजत नहीं दे सकता,

कल में जरूर इजाजत दूंगा। अभी आप बैठिये।

**श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव** : वहां भुखमरी की स्थिति पैदा हो रही है, स्टारवेशन की स्थिति है। यह सरकार की जिम्मेदारी है। यह सरकार भेदभाव की नीति अपनाएगी क्या? यह उत्तरी बिहार के साथ भेदभावपूर्ण नीति है। बाढ़ से पीड़ित लोगों के बारे में सरकार को सोचना चाहिए, यह तो अन्याय है। यह अच्छी बेंत नहीं है। हाउस में सरकार को बाढ़ की समस्या को गम्भीरता से लेना चाहिए। **ॐ!** (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय** : अभी तक आप खड़े नहीं हुए, इसलिए मैं तो चिन्ता में था कि क्या हुआ। सच कहें तो बिहार की बाढ़ का प्रश्न मेरे सामने आया है, यह बहुत गम्भीर प्रश्न है। आप तो जानते हैं कि आज जीरो ऑवर नहीं हो सका। कल यह विाय में सबसे पहले लेने को तैयार हूँ, लेकिन आप ठुँपया कल कोई राजनीति का सब लोग प्रश्न न उठायेँ तो बिहार की बाढ़ पर चर्चा हो सकेगी।

**श्री जी.एम.बनातवाला** : सबसे पहले तो मेरा विाय है।

MR. SPEAKER: Now, please sit down. I am sorry, I would not be able to permit you now.

...(Interruptions)

SHRI G.M. BANATWALLA : Will you permit me to speak tomorrow, Sir?...(Interruptions)

SHRI A.P. ABDULLAKUTTY (CANNANORE): If you permit me, Sir, I have to raise a very important issue....(Interruptions)

MR. SPEAKER: Tomorrow you will be the first to be called and thereafter we shall take up the other issues.

Now, Shri Deve Gowda.